

कार्य का वहिकार/प्राप्त पर रखा ।

अतः पत्रावली वास्तु अग्रिम कार्यवाही

... 16/10/24 ..को पेश हों।

16¹⁰/₂₀₂₄ पत्रावली पेश हुई। वकील वाकी दाजित
नहीं। वाक-2 आवाज लगाने के बाद भी
ना तो वकील वाकी दाजित भौट ना ही
हस्त वाकी दाजित। अतः वाकपत्र को इली
हस्त पर अदालत दाजरी अदालत पैरवी
में खारिज किया जाता है। पत्रावली फौजदारी
दुमाल होकर नम्बर से उम ही व दाजित
दफ्तार हो।

